



मिशन शिक्षण संवाद

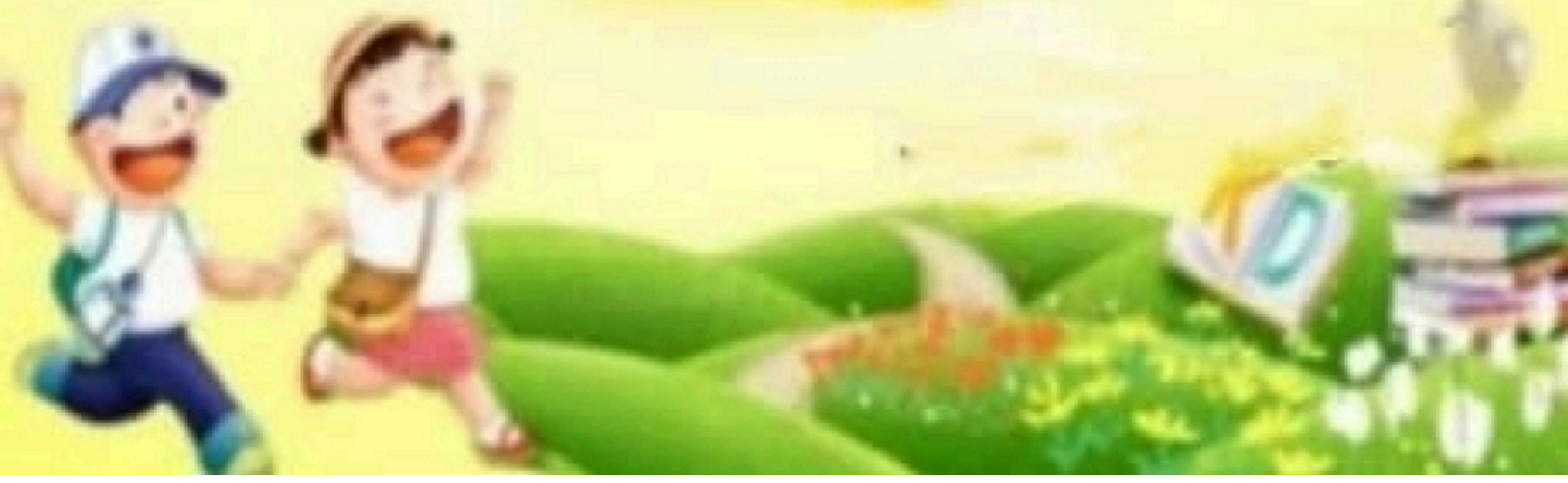


शिक्षा का उत्थान



शिक्षक का सम्मान

**बाल
जिज्ञासा**





मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

901



द्रव पदार्थों की आकृति क्यों बदल जाती है?



द्रव पदार्थों की आकृति इसलिए बदल जाती है क्योंकि उनके कणों के बीच आपेक्षिक रूप से कमजोर आपसी आकर्षण बल होता है। द्रवों में कण एक-दूसरे के करीब होते हैं, लेकिन उन्हें एक स्थान पर बांध कर रखने वाली ताकत ठोसों के मुकाबले कम होती है। इस कारण द्रव के कण थोड़ा गतिशील होते हैं और द्रव अपनी धारक पात्र (container) के आकार के अनुसार ढल जाता है। यही कारण है कि द्रव पदार्थ की अपनी निश्चित आकृति नहीं होती, लेकिन उसका आयतन (volume) निश्चित होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

902



क्या पानी की कमी से शरीर में दर्द होता है?



हाँ, पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) से शरीर में दर्द हो सकता है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होता, तो इसके कई अंग और प्रणालियाँ प्रभावित हो सकती हैं, जिससे विभिन्न प्रकार के दर्द उत्पन्न होते हैं, जैसे:

- 1. सिरदर्द:** पानी की कमी से दिमाग को ऑक्सीजन और रक्त प्रवाह कम हो सकता है, जिससे सिरदर्द हो सकता है।
- 2. मांसपेशियों में ऐंठन:** पानी की कमी से इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन हो जाता है, जो मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द का कारण बन सकता है।
- 3. जोड़ों में दर्द:** पानी की कमी से जोड़ों की लुब्रिकेशन कम हो जाती है, जिससे चलने-फिरने में दर्द हो सकता है।
- 4. पीठ दर्द:** किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ने से पीठ के निचले हिस्से में दर्द हो सकता है, क्योंकि किडनी को शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है।

समुचित मात्रा में पानी पीने से इन लक्षणों को रोका जा सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

903



निर्जलीकरण एक ऐसी स्थिति है जिसमें आप इतना अधिक शरीर का द्रव खो देते हैं कि आपका शरीर सामान्य रूप से काम नहीं कर पाता। यह तब होता है जब आप जितना तरल पदार्थ लेते हैं उससे ज़्यादा तरल पदार्थ खो देते हैं। निर्जलीकरण विशेष रूप से गर्म दिन पर हो सकता है। यदि आपको बहुत पसीना आता है, या यदि आप बुखार, दस्त या उल्टी से बीमार हैं। यह तब भी हो सकता है जब आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, या यदि आप ऐसी दवा ले रहे हैं जो आपके पेशाब (मूत्र) उत्पादन को बढ़ाती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

904



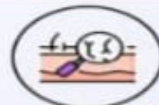
आयोडीन की कमी से शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?



Fatigue



Cold Sensitivity



Dry Skin



Muscle Ache



Thinning Hair



Goiter



Impaired Memory



Unusual weight loss or gain



आयोडीन की कमी का शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह खनिज थायरॉयड हार्मोन के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयोडीन की कमी से थायरॉयड ग्रंथि के आकार में वृद्धि हो जाती है, जिससे गर्दन में सूजन आ जाती है, जिसे घेंघा रोग कहा जाता है। दूसरे, आयोडीन की कमी के कारण शरीर में थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है, जिससे थकान, वजन बढ़ना, ठंड लगना, और सुस्ती जैसी समस्याएं हो सकती हैं। गर्भावस्था और शैशवकाल में आयोडीन की कमी से बच्चों के मानसिक विकास पर गंभीर असर पड़ सकता है। यह मानसिक मंदता (cretinism) का कारण भी बन सकता है।

महिलाओं में आयोडीन की कमी से मासिक धर्म अनियमित हो सकता है। आयोडीन की कमी से बाल झड़ने और त्वचा में सूखापन की समस्या हो सकती है। आयोडीन की पर्याप्त मात्रा थायरॉयड ग्रंथि के स्वस्थ कार्य के लिए आवश्यक होती है। इसलिए आयोडीन युक्त भोजन (जैसे आयोडीन युक्त नमक, मछली, डेयरी उत्पाद) का सेवन करना महत्वपूर्ण है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



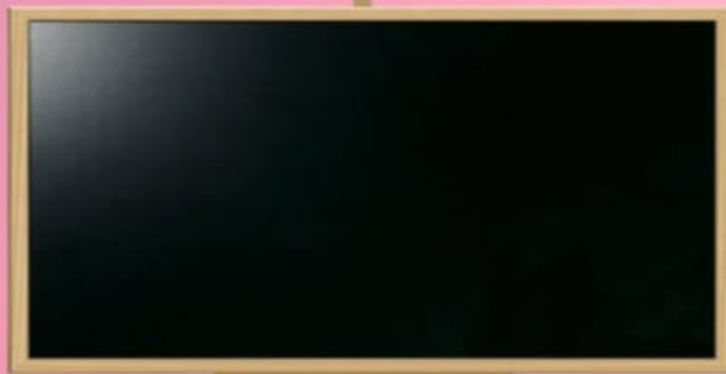
बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

905



ब्लैक बोर्ड की खोज किसने की?



ब्लैकबोर्ड की खोज का श्रेय स्कॉटलैंड के एक शिक्षक जेम्स पिलान्स (James Pillans) को दिया जाता है, जिन्होंने 19वीं सदी की शुरुआत में इसे कक्षा में पढ़ाने के एक साधन के रूप में विकसित किया। पिलान्स, जो एडिनबर्ग हाई स्कूल में भूगोल के शिक्षक और बाद में प्रधानाध्यापक थे, ने बड़े कक्षाओं को प्रभावी ढंग से पढ़ाने के लिए दीवार पर बड़ी स्लेट का उपयोग करना शुरू किया। उन्होंने इस स्लेट पर चॉक का उपयोग करके पढ़ाना शुरू किया, जिससे यह एक उपयोगी शिक्षण उपकरण बन गया।

धीरे-धीरे, इस विचार को व्यापक रूप से अपनाया गया और यह शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लेकर आया, जिससे ब्लैकबोर्ड स्कूलों में सामान्य उपकरण बन गया।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

906



ब्लैक बोर्ड काला क्यों होता है?



कोई चीज काली इसलिए दिखाई देती है क्योंकि वह सभी रंगों को अवशोषित कर लेती है। इसी तरह, ब्लैकबोर्ड काला दिखाई देता है क्योंकि यह सभी रंगों को अवशोषित कर लेता है और किसी रंग को परावर्तित नहीं करता।

इसलिए ब्लैकबोर्ड काला होने से उस पर सफेद चॉक द्वारा लिखी विषयवस्तु अधिक स्पष्ट और साफ दिखाई देती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

907



व्हाइट बोर्ड की आवश्यकता क्यों पड़ी?

व्हाइट बोर्ड की आवश्यकता कई कारणों से पड़ी:-

- 1. साफ-सुथरी प्रस्तुति:-** व्हाइट बोर्ड पर लिखना और चित्र बनाना बहुत आसान है। यह पारंपरिक चॉक बोर्ड के मुकाबले साफ और स्पष्ट दिखता है।
- 2. चॉक के धूल से बचाव:-** चॉक बोर्ड पर लिखने से धूल फैलती है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है, खासकर श्वसन संबंधी समस्याओं के लिए। व्हाइट बोर्ड मार्कर से लिखने पर यह समस्या नहीं होती।
- 3. साफ करने में आसानी:-** व्हाइट बोर्ड को आसानी से मिटाया जा सकता है, जिससे बार-बार नई जानकारी लिखने और पुरानी मिटाने में सुविधा होती है।
- 4. पेशेवर और आधुनिक रूप:-** स्कूल, कॉलेज और ऑफिस में व्हाइट बोर्ड का उपयोग आधुनिक और पेशेवर वातावरण को बढ़ावा देता है, जिससे बेहतर संवाद और प्रस्तुति होती है।
- 5. डिजिटल तकनीक के साथ संगत:-** कई व्हाइट बोर्ड्स को डिजिटल रूप से भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे शिक्षण और प्रस्तुति में टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा सके।

इन सब कारणों से व्हाइट बोर्ड का उपयोग शिक्षा और पेशेवर क्षेत्र में बढ़ा है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

908



क्या पृथ्वी गोल है?



पृथ्वी को अंडाकार, वृत्ताकार, दीर्घवृत्ताकार, गोलाकार कहा जाता है, लेकिन पृथ्वी न तो पूरी तरह से अंडाकार है, न पूरी तरह से वृत्ताकार है, न दीर्घ वृत्ताकार है न पूरी तरह गोल है। यह भूमध्य रेखा पर थोड़ा उभरी हुई है और ध्रुवों पर थोड़ा चपटी है। इसलिए इसे एक विशेष नाम से 'गोलाभ' कहा जाता है। गोलाभ को अंग्रेजी में 'Oblate Spheroid' या 'जिओइड' कहा जाता है।

पृथ्वी के गोलाभ आकार के कारण:-

1. गुरुत्वाकर्षण:- पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण इसका आकार गोलाभ होता है।
2. घूर्णन:- पृथ्वी का घूर्णन इसके आकार को थोड़ा दबा देता है।
3. भूगर्भिक प्रक्रियाएं:- पृथ्वी की भूगर्भिक प्रक्रियाएं, जैसे कि प्लेट टेक्टोनिक्स, इसके आकार को प्रभावित करती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

909



शुक्ल पक्ष कृष्ण पक्ष क्या होता है?

शुक्ल पक्ष एवं कृष्ण पक्ष

पूर्णिमा से अमावस्या के बीच के 15 दिनों को कृष्ण पक्ष कहा जाता है। वहीं, दूसरी तरफ अमावस्या से पूर्णिमा तक की अवधि को शुक्ल पक्ष कहा गया है।

अमावस्या के अगले दिन से ही चंद्रमा का आकार बढ़ना शुरू हो जाता है जिससे अंधेरे में भी चंद्रमा की काफी तेज रोशनी दिखाई देती है। अमावस्या के बाद चंद्रमा अपने पूरे तेज पर रहता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

910



पृथ्वी के परिक्रमण और परिभ्रमण में क्या अंतर है?



पृथ्वी के परिक्रमण और परिभ्रमण में मुख्य अंतर इस प्रकार है:-

1. परिभ्रमण :- जब पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, तो इसे परिभ्रमण कहते हैं। यह प्रक्रिया लगभग 24 घंटे में पूरी होती है, जिससे दिन और रात होते हैं। पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की दिशा में अपनी धुरी पर घूमती है।

2. परिक्रमण:- जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक पूर्ण चक्र लगाती है, तो इसे परिक्रमण कहते हैं। यह प्रक्रिया लगभग 365.25 दिनों में पूरी होती है, जिससे वर्ष के मौसमों में परिवर्तन होता है। संक्षेप में, परिभ्रमण पृथ्वी की धुरी पर घूमने की प्रक्रिया है, जबकि परिक्रमण सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की यात्रा को दर्शाता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



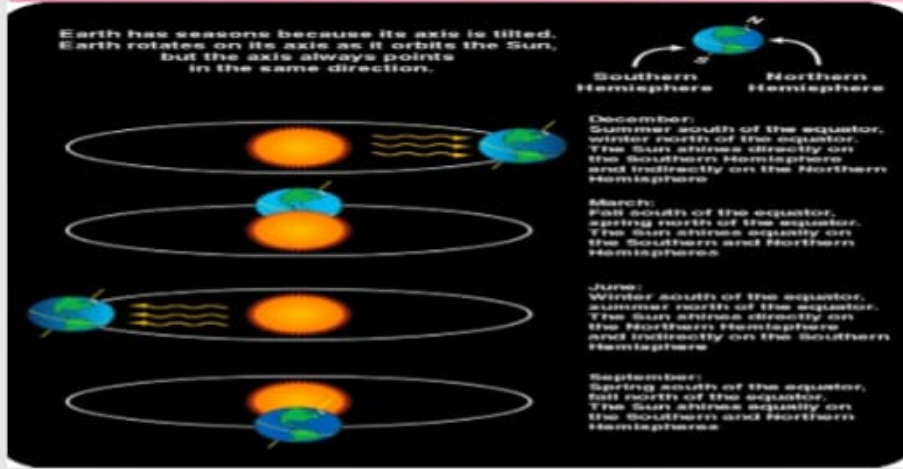
बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

911



मौसम परिवर्तन क्यों होता है?



मौसम परिवर्तन मुख्य रूप से पृथ्वी की अपनी धुरी पर झुकाव, उसकी सूर्य के चारों ओर कक्षा, और वायुमंडलीय तथा समुद्री धाराओं के कारण होता है। ये सभी तत्व मिलकर पृथ्वी के विभिन्न भागों में अलग-अलग मौसम उत्पन्न करते हैं।

मौसम परिवर्तन के प्रमुख कारण:-

- 1. पृथ्वी का झुकाव:** पृथ्वी की धुरी 23.5 डिग्री पर झुकी हुई है, जिससे सूर्य की किरणें अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग कोणों पर पड़ती हैं। यही कारण है कि गर्मियों में दिन लंबे होते हैं और सर्दियों में छोटे।
- 2. कक्षीय गति:** पृथ्वी सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करती है, जिसके कारण भी मौसम परिवर्तन होता है।
- 3. वायुमंडलीय धाराएँ:** हवा की चाल और उच्च-निम्न दाब क्षेत्रों के कारण मौसम में परिवर्तन होता है। गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा उसकी जगह लेती है, जिससे मौसम में बदलाव आते हैं।
- 4. समुद्री धाराएँ:** समुद्र की धाराएं भी तापमान को प्रभावित करती हैं। गर्म समुद्री धाराएं मौसम को गर्म और ठंडी धाराएं ठंडा बना सकती हैं।

ये सभी कारण मिलकर मौसम में बदलाव लाते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

912



इंद्रधनुष एक प्राकृतिक घटना है जो वर्षा के बाद आकाश में दिखाई देती है। यह एक रंगीन चाप होता है। इंद्रधनुष तब बनता है जब सूर्य की किरणें बारिश की बूंदों से गुजरती हैं और उनमें अपवर्तन, पूर्ण आंतरिक परावर्तन और फिर अपवर्तन होता है। जब सूर्य की किरणें बूंदों में प्रवेश करती हैं, तो वे अपवर्तित होती हैं, फिर बूंद के अंदर परावर्तित होती हैं, और जब वे बूंद से बाहर निकलती हैं, तो फिर से अपवर्तित होकर विभिन्न रंगों में विभाजित हो जाती हैं। इस प्रक्रिया में सूर्य का सफेद प्रकाश सात रंगों में विभाजित हो जाता है: बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल, (VIBGYOR) जो हमें इंद्रधनुष के रूप में दिखाते हैं। इंद्रधनुष सदा दर्शक की पीठ के पीछे सूर्य होने पर ही दिखाई पड़ता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

913



पृथ्वी से चंद्रमा का हमेशा केवल एक भाग ही क्यों दिखाई देता है?



चंद्रमा की घूर्णन गति (अपनी धुरी पर घूमने की गति) और उसकी परिक्रमण गति (पृथ्वी के चारों ओर घूमने की गति) लगभग समान हैं। इसका मतलब है कि चंद्रमा को अपनी धुरी पर एक बार घूमने में उतना ही समय लगता है जितना उसे पृथ्वी के चारों ओर एक बार परिक्रमा करने में। इस कारण, चंद्रमा का एक ही पक्ष हमेशा पृथ्वी की ओर रहता है, और दूसरा पक्ष जिसे "अंधकारमय पक्ष" कहा जाता है, वह पृथ्वी से दिखाई नहीं देता। इसे समकालिक घूर्णन (synchronous rotation) कहा जाता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

914



चंद्रमा कहीं चमकीला और कहीं दाग-धब्बे क्यों दिखाई देते हैं?



चंद्रमा पर चमकीले और दाग-धब्बे दिखाई देने का कारण इसकी सतह पर विभिन्न प्रकार के भूगर्भिक संरचनाएँ और घटनाएँ हैं। जब बहुत बड़ी-बड़ी चट्टानें या उल्का पिंड जाकर चाँद की सतह से टकराईं तो बड़े-बड़े गड्ढे या क्रेटर बने। ये चट्टानें इतनी भयंकर थीं कि धमाके से चाँद की बाहरी सतह फट गई और अंदर का लावा बाहर आकर गड्ढे में भर गया। बाद में लावा ठंडा हुआ और वहाँ जम गया। ये लावा जमकर बेसॉल्ट की काली चट्टानों में तब्दील हो गया। यही ठंडा जमा हुआ लावा हमें काले धब्बे के रूप में दिखता है। चंद्रमा पर दिखाई देने वाले चमकीले व दाग-धब्बों के अन्य कारण हैं:- पहाड़ी श्रृंखलाएँ और घाटियाँ।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

915



फ्रिज में ठंडा रखने के लिए कौन-सी गैस होती है?



फ्रिज में ठंडा रखने के लिए आमतौर पर फ्रिऑन नामक गैस का उपयोग किया जाता है। फ्रिऑन एक प्रकार की क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) गैस है, जो ठंडक पैदा करने में मदद करती है। लेकिन, इन गैसों के उपयोग से वातावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, जैसे कि ओजोन परत का ह्रास और ग्रीनहाउस प्रभाव।

आधुनिक फ्रिज में अब नए प्रकार की गैसों का उपयोग किया जा रहा है, जो पर्यावरण अनुकूल हैं:-

- एचएफसी (हाइड्रोफ्लोरोकार्बन)
- एचसी (हाइड्रोकार्बन)
- कार्बन डाइऑक्साइड

इन नई गैसों का उपयोग फ्रिज में ठंडा रखने के लिए किया जा रहा है, जो पर्यावरण के लिए कम हानिकारक हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

916



रात में कीड़े कृत्रिम प्रकाश की ओर क्यों आकर्षित होते हैं?



रात में कीड़े कृत्रिम प्रकाश की ओर आकर्षित होने की घटना को "फोटोटैक्सिस" कहा जाता है। यह घटना कई कीड़ों में देखी जाती है, जैसे कि मोथ, मकड़ी, और कीट। कीड़े प्रकाश की ओर आकर्षित होने के कारण:-

1. *चंद्रमा और तारों की नकल* : कीड़े प्रकाश को चंद्रमा और तारों की नकल समझते हैं और इसकी ओर आकर्षित होते हैं।
2. *नेविगेशन* : कीड़े प्रकाश का उपयोग अपने आसपास के वातावरण को समझने और नेविगेट करने के लिए करते हैं।
3. *भोजन की तलाश* : कुछ कीड़े प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि प्रकाश के पास भोजन हो सकता है।
4. *प्रजनन* : कुछ कीड़े प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं, क्योंकि वे प्रजनन के लिए उपयुक्त स्थान ढूँढते हैं।

इत्यादि

यह आकर्षण विभिन्न प्रकार के कीड़ों में अलग-अलग हो सकता है, और यह उनके जीवन चक्र, व्यवहार, और पर्यावरण के आधार पर निर्धारित होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

917



चींटी अपने वजन से कई गुना बोझ कैसे उठा लेती है?



चींटी अपने वजन से कई गुना बोझ उठाने की क्षमता के पीछे कई कारण हैं। चींटी की मांसपेशियाँ उनके शरीर के आकार के अनुसार बहुत मजबूत होती हैं। चींटियाँ अपने बोझ को उठाने के लिए विशेष तकनीक का उपयोग करती हैं, जैसे कि अपने पैरों का सही तरीके से उपयोग करना और अपने शरीर को संतुलित रखना। चींटी बोझ उठाते समय अपने 6 पैरों के मध्य गुरुत्वीय बल को केंद्रित कर लेती है। जिस कारण वह अपने बोझ से 10 से 50 गुना अधिक वजन उठा लेती है। इन कारणों के संयोजन से, चींटी अपने वजन से कई गुना बोझ उठाने में सक्षम होती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

918



चीटियाँ एक लाइन में ही क्यों चलती हैं?



चीटियाँ एक लाइन में इसलिए चलती हैं क्योंकि वे एक-दूसरे के पीछे फेरोमोन नामक रसायन छोड़ती हैं। यह फेरोमोन मार्ग को चिह्नित करता है, जिससे अन्य चीटियाँ उसी रास्ते का अनुसरण करती हैं। इस तरह, वे भोजन के स्रोत तक या अपने निवास स्थान तक सही दिशा में पहुँच पाती हैं। एक लाइन में चलने से चीटियों को खतरों से बचने में मदद मिलती है। यदि एक चीटी खतरे में है, तो वह अपने पीछे की चीटियों को संकेत दे सकती है और वे सुरक्षित रास्ते पर चल सकती हैं। चीटियाँ अक्सर समूह में काम करती हैं और एक लाइन में चलने से उन्हें अपने कार्यों को समन्वयित करने में मदद मिलती है। एक लाइन में चलने से चीटियों को ऊर्जा की बचत भी होती है, क्योंकि उन्हें अपने रास्ते को खोजना/बदलना नहीं पड़ता।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

919



ई- गवर्नेंस क्या है?



E-GOVERNANCE



सरकार की आम नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को इंटरनेट के माध्यम से उपलब्ध कराना ई - गवर्नेंस या ई-शासन कहलाता है। इसके अंतर्गत शासकीय सेवाएँ और सूचनाएँ ऑनलाइन उपलब्ध होती हैं। ई-शासन के उपयोग से शासन प्रणाली अधिक पारदर्शी कुशल तथा जवाबदेह बनाई जा सकती है। इसके अंतर्गत शासन सम्बंधी सभी सूचनाओं को इंटरनेट पर उपलब्ध करा दिया जाता है। विद्यालय में दाखिला हो, बिल भरना हो या आय - जाति का प्रमाण पत्र बनवाना हो सभी मूलभूत सुविधाएँ हिंदी में भी उपलब्ध हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



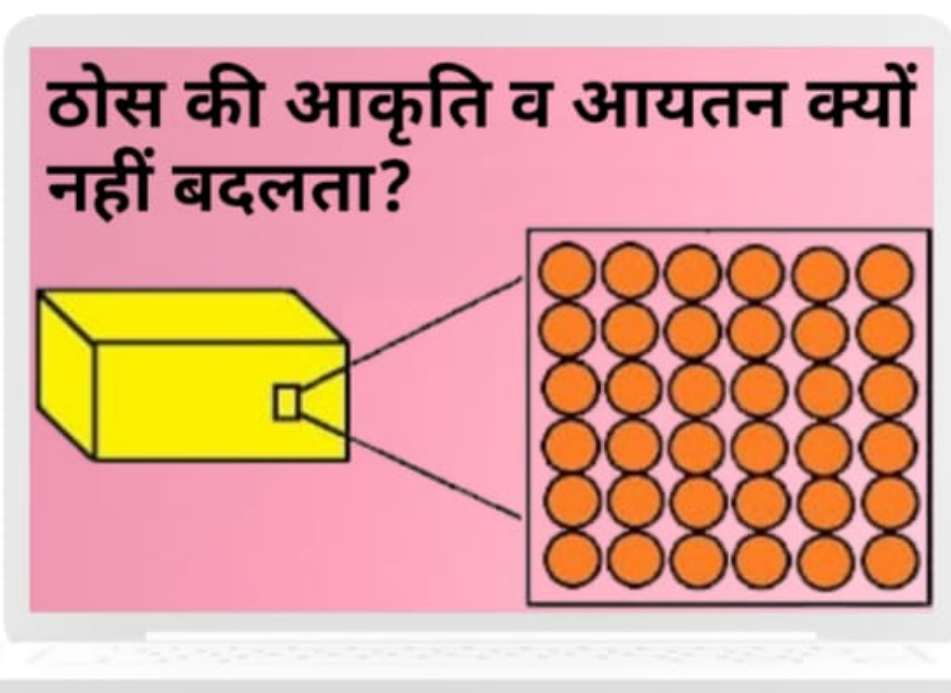
मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

920



ठोस पदार्थों में कण बहुत पास-पास होते हैं। इनके कणों के बीच आकर्षण बल बहुत अधिक होता है, जिसके कारण इनके कण आपस में घनिष्ठता से जुड़े रहते हैं। इनके कण एक निश्चित स्थान पर ही रहते हैं। ठोस के कण केवल अपने माध्य स्थिति के चारों ओर दोलन करते हैं किंतु गति नहीं करते। इसी वजह से ठोस की आकृति और आयतन स्थिर रहते हैं और आसानी से बदलते नहीं हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

921



ई-व्यवसाय/ई-कामर्स इलेक्ट्रॉनिक व्यवसाय का एक रूप है, जिसमें व्यवसाय के सभी कार्यों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जाता है, जैसे कि ऑनलाइन खरीद-बिक्री, भुगतान, विज्ञापन, और सेवाएँ। इसमें वेबसाइट, ई-मेल, सोशल मीडिया, और डिजिटल भुगतान प्रणाली का उपयोग किया जाता है। ई-कामर्स के माध्यम से व्यवसाय वैश्विक स्तर पर पहुँच बना सकते हैं और ग्राहकों को 24/7 सेवाएँ प्रदान कर सकते हैं। यह व्यवसाय को अधिक सुविधाजनक, गतिशील और लाभदायक बनाता है, और ग्राहकों को भी आसानी से उत्पादों और सेवाओं की खरीदारी करने की सुविधा प्रदान करता है। फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, अमेज़न इत्यादि ई-कामर्स कम्पनियाँ हैं।

सकलन - टीम बाल जिज्ञासा



मिशन शिक्षण संवाद



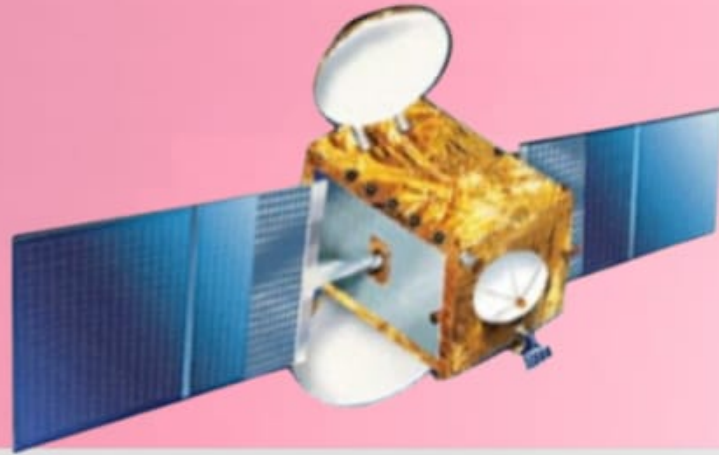
बाल जिज्ञासा

जानिये - क्या, क्यों और कैसे ?

922



एडुसैट क्या है?



एडुसैट (EDUSAT) शिक्षा के लिए उपग्रह-आधारित संचार प्रणाली है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में शिक्षा की पहुँच बढ़ाना है। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा विकसित किया गया है। एडुसैट के माध्यम से शिक्षकों और छात्रों को इंटरएक्टिव शिक्षा सेवाएँ प्रदान की जाती हैं, जैसे कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, ऑनलाइन कक्षाएँ, और शिक्षा सामग्री का प्रसारण। यह प्रणाली विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा की पहुँच बढ़ाने में मदद करती है, जहाँ शिक्षा की सुविधाएँ सीमित होती हैं। एडुसैट का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और शिक्षा की पहुँच को व्यापक बनाना है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

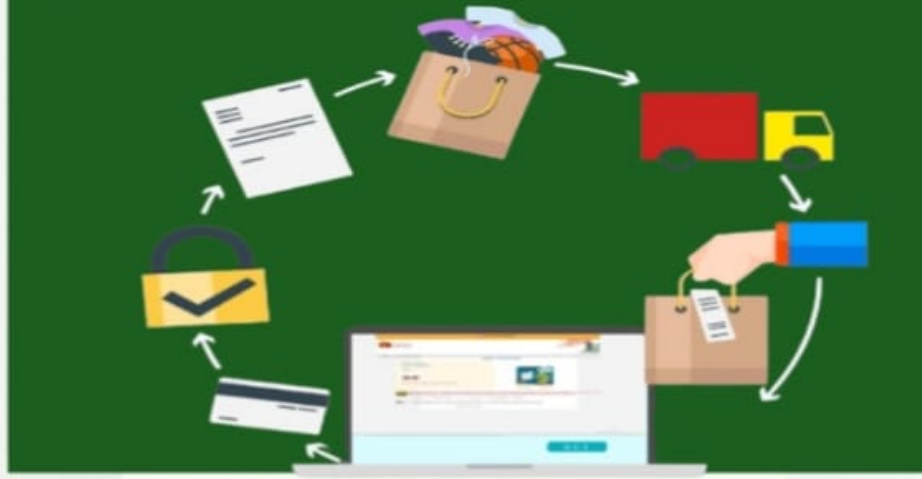


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

923



ई - पोस्ट क्या है?



भारतीय डाक विभाग ने वर्ष 2001 में नवीन डाक सेवा प्रारंभ की, जिसे ई-पोस्ट का नाम दिया गया। ई-पोस्ट (E-Post) इलेक्ट्रॉनिक पोस्ट का एक रूप है, जिसमें पत्र, दस्तावेज़ और संदेशों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा और प्राप्त किया जाता है। यह पारंपरिक डाक प्रणाली का इलेक्ट्रॉनिक संस्करण है, जिसमें ई-मेल के माध्यम से संदेश भेजे जाते हैं। ई-पोस्ट के माध्यम से उपयोगकर्ता अपने संदेशों को तेज़, सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से भेज सकते हैं। इसके अलावा, ई-पोस्ट में डिजिटल हस्ताक्षर और एनक्रिप्शन जैसी सुरक्षा सुविधाएं भी होती हैं, जो संदेशों की गोपनीयता और सुरक्षा को सुनिश्चित करती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

924



गैस की आकृति और आयतन
क्यों बदलता रहता है?



गैस के कण (अणु) एक-दूसरे से बहुत दूर होते हैं और उनके बीच आकर्षण बल नगण्य होता है। इस कारण वे स्वतंत्र रूप से इधर-उधर गति कर सकते हैं। यही स्वतंत्रता गैस को अपने चारों ओर के बर्तन या कंटेनर की पूरी जगह घेरने देती है, जिससे उसकी आकृति और आयतन बदलता रहता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

925



चिड़िया कैसे उड़ती है?



जब चिड़िया अपने पंख फैलाती है और उन्हें हवा में मारती है, तो पंख के नीचे और ऊपर से बहने वाली हवा में दबाव का अंतर उत्पन्न होता है। पंख के नीचे अधिक दबाव और ऊपर कम दबाव के कारण उठान शक्ति उत्पन्न होती है, जो चिड़िया को ऊपर की ओर उठने में मदद करती है। चिड़िया की हड्डियाँ खोखली और हल्की होती हैं, जिससे उनका वजन कम होता है और उड़ना आसान होता है। चिड़िया अपनी पूँछ का उपयोग दिशा बदलने, संतुलन बनाए रखने और ब्रेक लगाने के लिए करती है। चिड़िया के शरीर की बनावट भी नौकाकार होती है जो उड़ने में उसे अनुकूल बनती है। इस प्रकार, चिड़िया अपने पंखों की गति, शरीर की बनावट, और हवा के बल का सहारा लेकर उड़ने में सक्षम होती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



केंचुए का भोजन क्या है?



केंचुए का मुख्य भोजन मिट्टी में पाए जाने वाले कार्बनिक पदार्थ, जैसे कि पत्तियाँ, घास, और सड़े-गले पौधे होते हैं। ये केंचुए मिट्टी में छोटे-छोटे कार्बनिक कणों को अपने मुँह से निगलते हैं। इस प्रक्रिया में केंचुए मिट्टी को निगलते हैं और उसमें से पोषक तत्वों को ग्रहण कर लेते हैं, और अवशेष को अपने शरीर से बाहर निकाल देते हैं। इस प्रकार केंचुए मिट्टी को उपजाऊ बनाने में भी सहायक होते हैं, क्योंकि उनके द्वारा छोड़ी गई मिट्टी में पोषक तत्वों का स्तर बढ़ जाता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

927



साबुन क्या है?



रासायनिक रूप से साबुन उच्च वसीय अम्लों के सोडियम तथा पोटेशियम लवण होते हैं। इन्हें प्रायः सोडियम अथवा पोटेशियम हाइड्रॉक्साइड तथा वनस्पति तेल की पारस्परिक क्रिया द्वारा बनाया जाता है। कुछ साबुन औषधि के रूप में भी प्रयोग किए जाते हैं। जैसे- त्वचा के रोगी अधिकांशतः जिन साबुनों का उपयोग करते हैं, उनमें कुछ मात्रा में कार्बनिक अम्ल, गंधक, नीम का तेल आदि मिले होते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

928



पक्षी अंडे क्यों सेते हैं?



पक्षी अंडे सेते हैं ताकि अंडों में पल रहे भ्रूण को गर्मी मिल सके और उनका विकास सही तरीके से हो सके। अधिकांश पक्षियों में शरीर का तापमान अंडों को उचित तापमान देने के लिए आवश्यक होता है। सेने से अंडों में स्थित भ्रूण को जीवन के लिए आवश्यक गर्मी, सुरक्षा और स्थिरता मिलती है, जिससे अंडों के अंदर का वातावरण अनुकूल बना रहता है और स्वस्थ चूजे बाहर निकल पाते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

929



एक लिंगी व द्विलिंगी फूल क्या होते हैं?



एकलिंगी फूल- ऐसे फूल जिनमें पुंकेसर तथा स्त्रीकेसर में से केवल एक भाग ही होता है, उन्हें एकलिंगी फूल कहते हैं। जैसे- ककड़ी, घीया, खीरा, मक्का, तरबूज, पपीता तथा कद्दू के फूल।

द्विलिंगी फूल- ऐसे फूल जिनमें पुंकेसर तथा स्त्रीकेसर दोनों होते हैं, उन्हें द्विलिंगी फूल कहते हैं। जैसे- टमाटर, बैंगन, गुलाब, सरसों, ट्यूलिप, सूरजमुखी, लिली इत्यादि के फूल।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



फूल से फल कैसे बनता है?



जब फूल में परिपक्वता आती है, तो उसमें परागकण बनने लगते हैं, जो कि फूल के पुंकेसर में होते हैं। यह परागकण किसी माध्यम (हवा, पानी, कीट) की मदद से उसी फूल या किसी अन्य फूल के स्त्रीकेसर तक पहुँचते हैं। जब परागकण स्त्रीकेसर के वर्तिकाग्र पर गिरता है, तो वह अंदर जाकर अंडाशय (ओवरी) तक पहुँचता है, जिसे निषेचन कहते हैं। निषेचन के बाद, अंडाशय धीरे-धीरे फल में परिवर्तित होने लगता है। फल के अंदर बीज होते हैं, जो भविष्य में नए पौधे को जन्म दे सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

931



दौड़ने या व्यायाम करने से श्वसन दर क्यों बढ़ जाती है?



दौड़ने या व्यायाम करने पर शरीर की ऊर्जा की माँग बढ़ जाती है। ऊर्जा का उत्पादन करने के लिए शरीर को अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है ताकि मांसपेशियाँ ठीक से काम कर सकें। इस ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया के दौरान, मांसपेशियों में ऑक्सीजन की खपत बढ़ती है और अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्पन्न होता है, जिसे शरीर से बाहर निकालना होता है। शरीर इस बढ़ती हुई ऑक्सीजन माँग को पूरा करने के लिए श्वसन दर बढ़ा देता है, जिससे अधिक ऑक्सीजन फेफड़ों में पहुँच सके और अधिक कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकल सके। यही कारण है कि दौड़ने या व्यायाम करने पर श्वसन दर बढ़ जाती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

932



फूल अलग-अलग रंग के क्यों होते हैं?



फूलों के अलग-अलग रंग होने का कारण उनमें मौजूद प्राकृतिक रंजक (pigments) होते हैं। ये रंजक अलग-अलग रंग उत्पन्न करते हैं, जैसे एंथोसायनिन (anthocyanin) लाल, नीले और बैंगनी रंग के लिए, कैरोटिनाइड (carotenoids) पीले, नारंगी और लाल रंग के लिए, और क्लोरोफिल (chlorophyll) हरे रंग के लिए जिम्मेदार होते हैं।

फूलों के रंग उनके परागण (pollination) को आकर्षित करने में भी मदद करते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

933



क्या केकड़े का रंग ऑक्सीजन मिलने पर बदल जाता है?



हां, यह सच है कि केकड़े का रंग ऑक्सीजन मिलने पर बदल सकता है। केकड़े के खून में हीमोसाइनिन नामक प्रोटीन होता है, जिसमें तांबा (कॉपर) होता है। जब तांबे के साथ ऑक्सीजन मिलती है, तो खून का रंग नीला हो जाता है। इसीलिए कई समुद्री केकड़ों का खून ऑक्सीजन की मौजूदगी में नीले रंग का दिखाई देता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

934



क्या शहद को अनिश्चितकाल तक रख सकते हैं?



हाँ, शहद को लगभग अनिश्चितकाल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। शहद में प्राकृतिक रूप से मौजूद निम्न पानी की मात्रा और उच्च अम्लता उसे बैक्टीरिया और फंगस से बचाती है, जिससे यह खराब नहीं होता।

प्राचीन मिस्र के पिरामिडों में हजारों साल पुराना शहद भी पाया गया है, जो अभी भी खाने योग्य था। हालांकि, शहद को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए इसे एयरटाइट कंटेनर में, ठंडी और सूखी जगह पर रखना चाहिए ताकि यह नमी न सोखे और क्रिस्टलाइज़ न हो।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

935



हर नदी का एक आरंभिक बिंदु होता है जिसे 'स्रोत' कहा जाता है, ज़्यादातर नदियाँ पहाड़ों पर होती हैं क्योंकि वहाँ अक्सर बारिश होती है। पानी इकट्ठा होता है और एक धारा के रूप में नीचे बहने लगता है। इनमें से कई छोटी धाराएँ मिलकर नदी का निर्माण करती हैं। प्रकृति द्वारा विकसित एवं लगातार परिमार्जित मार्ग पर बहते पानी की अविरल धारा ही नदी है। वह सामान्यतः ग्लेशियर, पहाड़ अथवा झरने से निकलकर सागर अथवा झील में समा जाती है। इस यात्रा में उसे अनेक सहायक नदियाँ मिलती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



ग्लेशियर कैसे बनता है?



जब बर्फ और हिम का वजन (बर्फ का मोटा होना) काफी बढ़ जाता है, तो वे हिलना शुरू कर देते हैं (ढलान से नीचे की ओर बहना)। जब बारहमासी बर्फ के पैच में प्रवाह के संकेत दिखाई देते हैं, तो ग्लेशियर बनना शुरू हो जाता है। अब यह केवल बर्फ और हिम का ढेर नहीं रह गया है, यह ग्लेशियर है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जीवाश्म क्या है?



जीवाश्म (Fossils) प्राचीन जीवों के अवशेष या उनके निशान होते हैं जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से धरती की चट्टानों में संरक्षित हो जाते हैं। ये लाखों या करोड़ों वर्षों तक धरती की सतह पर दबाव, गर्मी और अन्य भौतिक-रासायनिक प्रक्रियाओं के प्रभाव में संरक्षित रहते हैं। प्राकृतिक इतिहास को समझने में ये एक खिड़की की तरह हैं जो हमें भूतकाल में झांकने का अवसर देती है। जैसे - 6 करोड़ वर्ष पूर्व पृथ्वी पर पाए जाने वाले डायनासोरों की जानकारी इनके जीवाश्मों से प्राप्त हुई है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



बायो गैस क्या है?



बायोगैस एक प्रकार का अक्षय ऊर्जा स्रोत है जो जैविक पदार्थों के अपघटन से उत्पन्न होता है। यह एक प्राकृतिक गैस है जिसमें मुख्य रूप से मिथेन और कार्बन डाइऑक्साइड होते हैं। बायोगैस का उत्पादन जैविक पदार्थों जैसे कि खाद्य अपशिष्ट, पशु मल और पौधों के अवशेषों के अपघटन से किया जाता है। यह एक स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा स्रोत है, जो हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

939



फफूंद कैसे लगती है?



फफूंद के बीजाणु नम और गर्म वातावरण में पनपते हैं। जब वे नम जगह पर उतरते हैं तो वे बढ़ने लगते हैं। फफूंद कई तरह की सतहों पर उग सकते हैं। जैसे - कपड़े, कागज़, लकड़ी, कांच और प्लास्टिक। जैसे-जैसे वे बढ़ते हैं, वे उस सामग्री को पचा सकते हैं जिस पर वे उग रहे हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

940



क्या सूर्य के प्रकाश से विटामिन डी मिलता है?



सूर्य के प्रकाश से सीधे विटामिन डी नहीं मिलता, लेकिन यह हमारे शरीर को विटामिन डी बनाने में मदद करता है। जब सूर्य की किरणें हमारी त्वचा पर पड़ती हैं, तो त्वचा में मौजूद 7-डिहाइड्रोकोलेस्ट्रॉल नामक यौगिक विटामिन डी3 (कोलेकैल्सिफेरॉल) में बदल जाता है। यह विटामिन डी शरीर में हड्डियों की मजबूती, कैल्शियम और फॉस्फोरस के अवशोषण में मदद करता है। इसलिए, नियमित रूप से सुबह या शाम के समय (जब सूर्य की किरणें अधिक तीव्र न हों) कुछ समय धूप में बिताना विटामिन डी की कमी को रोकने में सहायक होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



ग्लेशियर क्यों पिघलता है?



ग्रीनहाउस गैसों पृथ्वी की सतह से निकलने वाली गर्मी को अवशोषित करती हैं, और इस गर्मी को अवशोषित करके वातावरण और महासागर धीरे-धीरे गर्म होते हैं। समुद्र और हवा के तापमान में वृद्धि से ग्लेशियर की बर्फ पिघलती है।
उत्सर्जन:- उद्योग, परिवहन, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधनों के जलने तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के कारण उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों (जीएचजी) का वायुमंडलीय सांद्रण ग्रह को गर्म करता है और ग्लेशियरों को पिघला देता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

942



केला जल्दी- जल्दी क्यों पकने लगता है?



दरअसल, केले तेजी से तब पकने लगते हैं जब वो हवा के संपर्क में आते हैं। दरअसल, हवा, तापमान और फिर आस-पास की ह्यूमिडिटी से केले में एथिलीन गैस (Ethylene Gas) पैदा होती है जिससे केला जल्दी-जल्दी पकने लगता है। केले में पॉलीफेनोल ऑक्सीडेज नामक एंजाइम होता है और जब यह एंजाइम ऑक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह एक रासायनिक प्रतिक्रिया का कारण बनता है। यह रासायनिक प्रतिक्रिया, जिसे एंजाइमेटिक ब्राउनिंग के रूप में जाना जाता है, केले के छिलके और फल को भूरे रंग में बदल देती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

943



बच्चें गोल गोल क्यों घूमते है?



बच्चों का गोल-गोल घूमना एक सामान्य व्यवहार है, जो उनके स्वाभाविक विकास और जिज्ञासा का हिस्सा हो सकता है। इसके कुछ संभावित कारण हैं:-

1. मज़ा और आनंद: बच्चे अक्सर खेल-खेल में घूमते हैं क्योंकि यह उन्हें मज़ेदार लगता है। घूमने से उन्हें संतुलन और शरीर की गति का अनुभव होता है।
2. ऊर्जा का इस्तेमाल: छोटे बच्चों में ऊर्जा की भरमार होती है, और गोल-गोल घूमना उनकी ऊर्जा खपत का एक तरीका हो सकता है।
3. संवेदनाओं का अनुभव: घूमने से बच्चे अपने शरीर की गतिविधियों और संतुलन को महसूस करते हैं। यह उनकी मोटर स्किल्स (motor skills) के विकास का हिस्सा हो सकता है।
4. ध्यान आकर्षित करना: कभी-कभी बच्चे ऐसा इसलिए करते हैं ताकि वे दूसरों का ध्यान अपनी ओर खींच सकें।
5. अन्वेषण और जिज्ञासा: बच्चे अपने आस-पास की चीज़ों को समझने और उनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया जानने के लिए ऐसा करते हैं।

अगर बच्चा बार-बार या अत्यधिक घूम रहा है और इसके साथ अन्य असामान्य लक्षण भी हैं (जैसे ध्यान की कमी, अन्य गतिविधियों में रुचि न लेना, या सामाजिक व्यवहार में बदलाव), तो यह किसी विशेष स्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

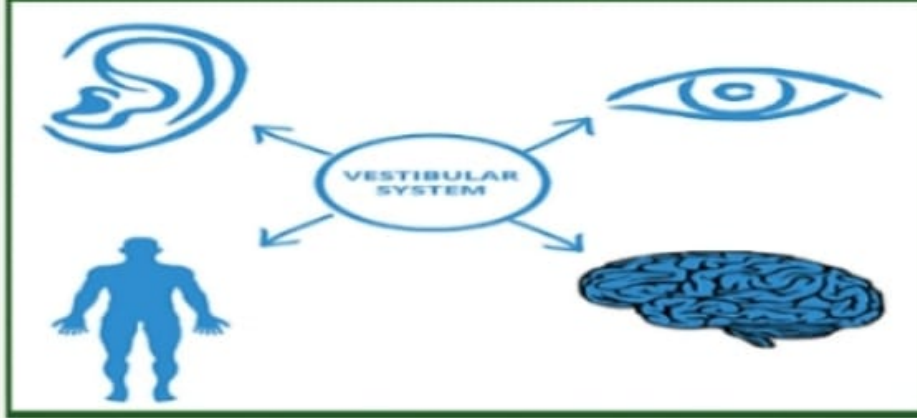


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

944



शरीर के लिए गति, संतुलन और स्थिति की जानकारी कौन देता है?



शरीर के लिए गति, संतुलन और स्थिति की जानकारी बेस्टीब्युलर सिस्टम देता है। यह सिस्टम आंतरिक कान (inner ear) में स्थित होता है। जब बच्चा खड़ा होता है, चलता है, दौड़ता है, या कूदता है, तो यह सिस्टम उनके शरीर को स्थिर और संतुलित रखने में मदद करता है। यह मस्तिष्क के अन्य हिस्सों से जुड़ा होता है, जो बच्चे के ध्यान, फोकस और सीखने की क्षमता को प्रभावित करता है। बेस्टीब्युलर सिस्टम शरीर के अन्य संवेदी सिस्टम (जैसे स्पर्श, दृष्टि, श्रवण) के साथ मिलकर काम करता है, ताकि बच्चे अपने आसपास की दुनिया को सही ढंग से समझ सकें। इस तरह बेस्टीब्युलर सिस्टम का विकास बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

945



कभी-कभी दिल तेजी से क्यों धड़कता है?



तनाव, व्यायाम, दवा या, कभी-कभी, कोई चिकित्सा स्थिति से दिल की धड़कन तेज हो सकती है। हालांकि दिल की धड़कनें चिंताजनक हो सकती हैं, लेकिन सामान्य स्थिति पर हानिरहित होती हैं। चाय, कॉफी, सिगरेट, शराब जैसे उत्तेजक पदार्थ का सेवन करने पर दिल की धड़कन तेज हो सकती है। अधिक थायराइड हार्मोन के उत्पादन, खून की कमी, चिंता, तनाव या डर की स्थिति में दिल की धड़कनें तेज हो सकती हैं। पानी की कमी, बुखार, कम ब्लड शुगर की स्थिति में दिल की धड़कनें तेज हो सकती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

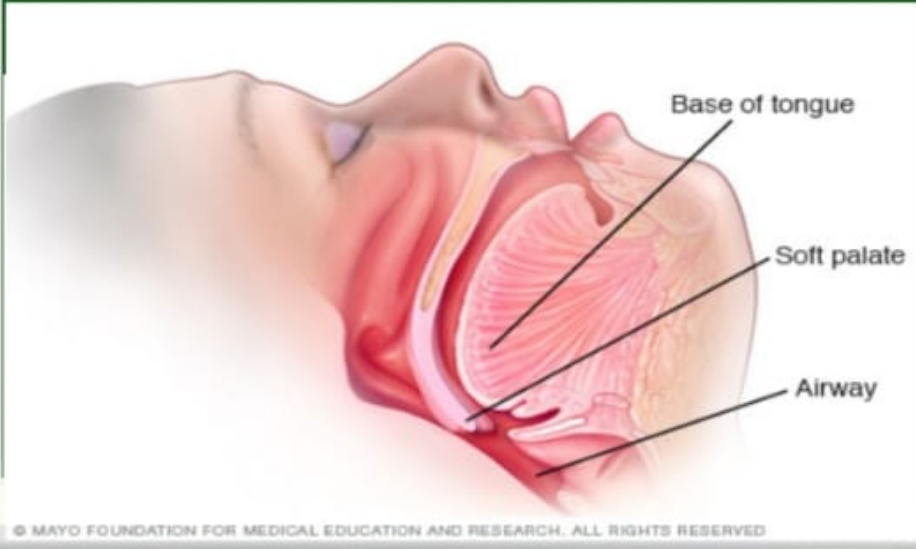


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

946



खरटे आने का कारण क्या है?



© MAYO FOUNDATION FOR MEDICAL EDUCATION AND RESEARCH. ALL RIGHTS RESERVED



खरटे तब उत्पन्न होते हैं जब नींद के दौरान वायुमार्ग संकीर्ण हो जाता है, जिससे हवा के प्रवाह में रुकावट होती है और खरटे का कारण बनती है। मोटापे से गले के आसपास वसा के अधिक जमाव के कारण वायुमार्ग संकुचित हो सकता है, जो खरटे का कारण बनता है। नाक बंद होना, नाक की हड्डी का टेढ़ापन, या साइनस की समस्या तथा गले की संरचना जैसे बड़ा टॉन्सिल, लंबी यूवुला (गले की मांसपेशी) वायु मार्ग को संकीर्ण कर देती है, जो खरटे का कारण बनती हैं। इसके अलावा अत्यधिक धूम्रपान और मद्यपान करने से मांसपेशियाँ शिथिल हो जाती हैं, वायु मार्ग संकीर्ण हो जाता है और खरटे का कारण बनता है। एलर्जी, थायरॉइड की समस्या, अधिक उम्र इत्यादि भी खरटे का कारण होते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

947



ठण्ड में नारियल का तेल जम क्यों जाता है?



नारियल का तेल सामान्यतः 18-20 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर जमने लगता है। नारियल का तेल ठंड में जमने का कारण इसकी रासायनिक संरचना है। नारियल का तेल मुख्य रूप से ट्राइग्लिसराइड्स से बना होता है, जो वसा के एक प्रकार हैं। जब नारियल का तेल ठंड में रखा जाता है, तो इसके ट्राइग्लिसराइड्स के अणु धीरे-धीरे जमने लगते हैं। यह जमने की प्रक्रिया इसलिए होती है क्योंकि ट्राइग्लिसराइड्स के अणु ठंड में अपनी गति धीमी कर देते हैं और एक दूसरे के साथ जुड़कर एक ठोस रूप में बदल जाते हैं। इसके अलावा नारियल का तेल एक संतृप्त वसा है, जो ठंड में जमने के लिए अधिक प्रवण होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

948



शरीर को ऐसा क्यों लगता है कि चीटियां काट रही हैं?



शरीर में ऐसा महसूस होना कि जैसे चीटियाँ काट रही हैं, एक सामान्य लक्षण हो सकता है और इसके पीछे कई संभावित कारण हो सकते हैं। इसे चिकित्सीय भाषा में परेस्थीसिया (Paresthesia) कहते हैं। लम्बे समय तक एक ही स्थिति में बैठे या लेटे रहने से रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है, जिससे ऐसा महसूस हो सकता है। पोषक तत्व की कमी जैसे विटामिन B12 की कमी से भी चीटियों के काटने जैसा अनुभव होता है क्योंकि इस विटामिन की कमी नसों को प्रभावित कर सकती है और झुनझुनी या चीटियों के काटने जैसी समस्या पैदा कर सकती है। साथ ही कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज लवण की भी कमी से ऐसा हो सकता है। डायबिटीज (मधुमेह), नसों में दबाव, सर्वाइकल प्रॉब्लम, दवाइयों के साइड इफेक्ट्स, एलर्जी, थायराइड हार्मोन की कमी, अत्यधिक चिंता, परेशानी, तनाव भी नसों को प्रभावित करती है जिससे शरीर में झुनझुनी या चीटियों के काटने जैसा महसूस हो सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

949



गोल-गोल घूमने के बाद चक्कर क्यों आने लगता है?



घूमने से चक्कर आना एक सामान्य शारीरिक प्रतिक्रिया है, जो मुख्य रूप से हमारी वेस्टिबुलर प्रणाली (अंदरूनी कान) और मस्तिष्क के बीच तालमेल में गड़बड़ी के कारण होता है। घूमने के दौरान वेस्टिबुलर तंत्र तेज़ी से घूर्णन का अनुभव करता है। जब आप घूमना बंद करते हैं, तो यह तंत्र कुछ समय तक घूमने का संकेत देता रहता है, जिससे मस्तिष्क को भ्रम होता है और चक्कर आने लगते हैं। इसके अलावा कान के अंदर सेमीसर्कुलर कैनाल्स में द्रव (फ्लुइड) होता है। जब आप घूमते हैं, तो यह द्रव भी घूमने लगता है। घूमना बंद करने के बाद भी यह द्रव थोड़ी देर तक हिलता रहता है, जिससे मस्तिष्क को स्थिरता का संकेत मिलने में समय लगता है और चक्कर आने लगता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

950



अंतरिक्ष से देखने पर आकाश काला क्यों दिखाई देता है?



अंतरिक्ष से देखने पर आकाश काला दिखाई देने का मुख्य कारण है कि अंतरिक्ष में वायुमंडल नहीं होता। अंतरिक्ष में प्रकाश को बिखराने के लिए कोई माध्यम (जैसे गैसों या धूलकण) नहीं होता। इसलिए सूर्य की किरणें सीधे और बिना बिखरे गुजरती हैं। प्रकाश सीधे आँखों में पहुँचता है, और इसके चारों ओर कोई बिखरा हुआ प्रकाश नहीं होता, जो रंग दिखा सके।

यही वजह है कि अंतरिक्ष से देखने पर आकाश काला और तारों से भरा दिखाई देता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मानवता का कल्याण



मिशन शिक्षण संवाद



बालजिज्ञासा टीम

जानिये - क्या, क्यों और कैसे?



मिहिर यादव

कं. उ. प्रा. वि. पाण्डेयपुर,
मुंगरा बादशाहपुर- जौनपुर



नरेन्द्र नाथ पटेल

कं. वि. सुरहन वि. ख.
भदोही - भदोही



रविन्द्र कुमार पटेल

पी.एम. श्री उ. प्रा. वि.
झौआ औराई- भदोही



प्रियंका गौतम

क. वि. कन्या एत्मादपुर,
एत्मादपुर- आगरा



पूजा सक्सेना

पी. एम. श्री विद्यालय
बेलगवां, ऐलिया- सीतापुर